सत्यमेव जयते
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

सर्पदंश होने पर क्या करें, क्या न करें

क्या करें

सर्पदंश होने पर व्यक्ति को आश्वस्त करें और शांत रहें।

धीरे-धीरे साँप से दूर हो जाएं।

घाव वाले अंग को स्थिर रखें (न हिलाएँ)

यदि सर्पदंश वाली जगह पर किसी प्रकार का आभूषण, जूते, अंगूठी, घड़ी या तंग कपड़ा है तो निकाल दें।

पीड़ित को स्ट्रेचर पर बाई करवट लिटाएं, दाहिना पैर मुड़ा हुआ हो और हाथ से चेहरे को सहारा दें।

पीड़ित व्यक्ति को तुरंत नज़दीकी अस्पताल लेकर जाएं।

क्या ना करें

पीड़ित को अत्यधिक दबाव या घबराहट न होने दें।

साँप पर हमला करने या उसे मारने की कोशिश ना करें। यदि आप ऐसा करेंगे तो साँप अपनेबचाव में आपको काट सकता है।

सर्पदंश वाले घाव को न काटें और न ही घाव पर सर्प विषरोधी इंजेक्शन या दवाई लगाएँ।

घाव को बांध कर रक्त संचार रोकने का प्रयास न करें।

रोगी को पीठ के बल न लिटाए इससे वायुमार्ग में रुकावट हो सकती हैं।

पारंपरिक तरीको से उपचार करनें का प्रयास न करें।

सर्पदंश की रोकथाम एवं प्राथमिक चिकित्सा

www.mohfw.nic.in
www.mygov.in
www.pmindia.gov.in

mohfwindia
@MoHFW_INDIA

कॉल करें 15400

http://ncdc.gov.in/
@director_NCDC

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर